टॉपर हल* प्रश्न-पत्र	सी.बी.एस.ई. 2020 कक्षा–X Delhi / Outside Delhi Sets	हिन्दी 'ब'

समय : 3 घण्टे] **[अधिकतम अंक : 80**

***नोट :** यह प्रश्न पत्र केवल संदर्भ हेतु प्रेषित है। सत्र 2022-23 के लिए पाठ्यक्रम में बोर्ड द्वारा संशोधन किया गया है।

निर्देश : निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए।

(1) प्रश्न-पत्र खण्डों में विभाजित किया गया है—क, ख, ग एवं घ। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(2) खण्ड क में प्रश्न अपठित गद्यांश पर आधारित हैं।
(3) खण्ड ख में प्रश्न संख्या 2 से 6 तक प्रश्न हैं।
(4) खण्ड ग में प्रश्न संख्या 7 से 11 तक प्रश्न हैं।
(5) खण्ड घ में प्रश्न संख्या 12 से 16 तक प्रश्न हैं।
(6) यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
(7) उत्तर संक्षिप्त तथा क्रमिक होना चाहिए और साथ ही दी गई शब्द-सीमा का यथासंभव अनुपालन कीजिए।
(8) प्रश्न-पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है। तथापि दो-दो अंकों वाले 2 प्रश्नों में, तीन-तीन अंक वाले 1 प्रश्न में और पाँच-पाँच अंकों वाले छह प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए सही विकल्प का ध्यान रखिए।
(9) इनके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खण्ड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं।

Delhi Set I **Code No. 4/1/1**

खण्ड–'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

मानव सभ्यता पर औद्योगिक क्रांति की धमक अभी थमी भी नहीं कि एक नई तकनीकी क्रांति ने अपने आने की घोषणा कर दी है। 'नैनो-तकनीक' के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वजूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झकपते ही चुस्त-दुरुस्त इंसान में तब्दील कर देगी। दूसरी ओर नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित इसके विरोधी इसे मिस्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त समझते हैं। इन दोनों अतिवादी धारणाओं के बीच इतना अवश्य कहा जा सकता है कि हम तकनीकी क्रांति के एक सर्वथा नए मुहाने पर आ पहुँचे हैं जहाँ उद्योग, चिकित्सा, दूरसंचार, परिवहन सहित हमारे जीवन में शामिल तमाम तकनीकी जटिलताएँ अपने पुराने अर्थ खो देंगी। इस अभूतपूर्व तकनीकी बदलाव के सामाजिक-सांस्कृतिक निहितार्थ क्या होंगे, यह देखना सचमुच दिलचस्प होगा।

आदमी ने कभी सभ्यता की बुनियाद पत्थर के बेडौल हथियारों से डाली थी। अनगढ़ शिलाओं को छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया। औजारों को बेहतर बनाने का यह सिलसिला आगे कई विस्मयकारी मसलों से गुजरा और औद्योगिक क्रान्ति ने तो मनुष्य को मानो प्रकृति के नियंत्रक की भूमिका सौंप दीं तकनीकी कौशल की हतप्रभ कर देने वाली इस यात्रा में एक बात ऐसी है, जो पाषाण युग के बेढव हथियारों से चमत्कारी माइक्रोचिप निर्माण तक एक जैसी बनी रही। हम अपने औज़ार, कच्चे माल को तराशकर बनाते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि सारे पदार्थ परमाणुओं से मिलकर बने हैं, लेकिन पदार्थों के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उनमें परमाणुओं को किस तरह सजाया गया है। कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है, तो दूसरी खास बनावट उन्हें हीरे का रूप देती है। परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना ही 'नैनो-तकनीकी' का सार है।

(क) नैनो-तकनीक के समर्थकों ने क्या सम्भावनाएँ व्यक्त की हैं? **2**
(ख) इसकी असीमित शक्ति से आशंकित विरोधियों का क्या मत है? इस पर टिप्पणी कीजिए। **2**
(ग) 'नैनो-तकनीक' से आप क्या समझते हैं? **2**
(घ) मानव प्रकृति का नियंत्रक कैसे बन गया? **2**
(ङ) हीरे और कोयले में अन्तर क्यों है? **1**
(च) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **1**

To know about more useful books *click here*

उत्तर—

प्रश्न-1 (क) नैनो तकनीक के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वजूद में आएगी तो धरती का नामो निशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त इंसान में तबदील कर देगा। इस तकनीक के समर्थकों अनुसार यह विज्ञान का चमत्कार है जो समाज के अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।

(ख) नैनो तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित विरोधियों का मत है कि यह तकनीक मिस्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज़्यादा अभिशप्त है। इनके अनुसार नैनो तकनीक का इस्तेमाल यदि गलत कामों के लिए किया जाए तो यह बेहद खतरनाक साबित हो सकती है।

(ग) नैनो तकनीक परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना है। यह एक नई तकनीकी क्रांति का हिस्सा है। यह इतनी शक्तिशाली है कि एक शव को चुस्त-दुरुस्त इंसान में बदल दे, वहीं दूसरी ओर ये तबाही मचा देने की भी शक्ति रखती है। इसके आने से मानव जीवन पूरी तरह से बदल सकता है।

(घ) औद्योगिक क्रांति ने मनुष्य को प्रकृति का नियंत्रक बना दिया है। आदमी ने पत्थर के बेडौल हथियारों से शुरुआत कर, शिलाओं को छीलकर इन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में खड़ा कर दिया। औज़ारों को बेहतर बनाने का सिलसिला कई विस्मयकारी मंज़िलों से गुज़रा और औद्योगिक क्रांति लाया।

(ङ) कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है तो दूसरी बनावट से हीरा तैयार होता है। दोनों पदार्थों में परमाणुओं को भिन्न-भिन्न तरीके से सजाया गया है।

(च) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक है – 'तकनीकी क्रांति'।

खण्ड–'ख'

2. 'रेमन आ गई है।' वाक्य में 'गई' शब्द है अथवा पद? कारण सहित स्पष्ट कीजिए। 1

उत्तर—

वाक्य में 'गई' पद है।
जब शब्द वाक्य में प्रयुक्त होकर व्याकरण के नियमों में बंध जाता है तो पद कहलाता है।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए— $1 \times 3 = 3$

(क) कई बार मुझे डाँटने का अवसर मिलने पर भी बड़े भाई साहब चुप रहे। (संयुक्त वाक्य)

(ख) कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डर समन्दर को पीछे धकेल कर उसकी ज़मीन को हथिया रहे थे। (मिश्र वाक्य)

(ग) आपने जो कहा, मैंने सुन लिया। (सरल वाक्य)

To know about more useful books *click here*

उत्तर—प्रश्न-3 (क) कई बार मुझे डाँटने का अवसर मिला परंतु बड़े भाई साहब चुप रहे।

(ख) कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेल रहे थे ताकि वे उसकी ज़मीन हथिया सके।

(ग) मैंने आपका कहा सुन लिया।

4. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए— **1 × 2 = 2**

(i) सप्तर्षि (ii) शरणागत

(ख) निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए— **1 × 2 = 2**

(i) लम्बा है उदर जिसका (गणेश) (ii) तन–मन–धन

उत्तर—4 (क)

	समास विग्रह	समास का नाम
(i) सप्तर्षि	सात ऋषियों का समूह	द्विगु समास
(ii) शरणागत	शरण में आगत	तत्पुरुष समास

(ख)

	समस्त पद	समास का नाम
(i) लंबा है उदर जिसका	लंबोदर	बहुव्रीहि समास
(ii) तन-मन-धन	तन-मन-धन	द्वंद्व समास

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए— 1 × 4 = 4

(क) सभी श्रेणी के लोग सभा में आए थे।

(ख) एक ताँबे की बर्तन भी खरीद लेना।

(ग) वह लौट आए हैं।

(घ) आप कभी हमारे घर आओ।

उत्तर—(क) सभी श्रेणियों के लोग सभा में आए थे

(ख) ~~एक~~ ताँबे का एक बर्तन भी खरीद लेना

(ग) वे लौट आए हैं।

(घ) आप कभी हमारे घर आइए।

6. निम्नलिखित मुहावरों का प्रयोग अपने वाक्यों में कीजिए— 1 × 4 = 4

(क) चेहरा मुरझाना

(ख) आँखों से बोलना

(ग) काम तमाम कर देना।

(घ) जान बख्श देना

उत्तर—(क) हिंदी की परीक्षा में अच्छे अंक न आने पर मेरा चेहरा मुरझा गया।

(ख) एक अभिनेता में आँखों से बोलने की कला का होना आवश्यक है

(ग) हिंदुस्तान अब आतंकियों का ~~कम~~ काम तमाम करने की नई रणनीति बना रहा है।

(घ) युद्ध जीतने के पश्चात अपने दुश्मन की जान बख्श देना मूर्खतापूर्ण कदम है।

To know about more useful books *click here*

खण्ड–'ग'

7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए— **2 × 3 = 6**

(क) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए कि 26 जनवरी, 1931 का दिन विशेष क्यों था?

(ख) छोटे भाई ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का क्या लाभ उठाया? आपके विचार से छोटे भाई का व्यवहार उचित था या नहीं, तर्क सहित उत्तर लिखिए।

(ग) कर्नल कालिंज का खेमा जंगल में क्यों लगा हुआ था?

(घ) 'प्रेम सबको जोड़ता है।' 'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर—

खंड - ग

(क) 26 जनवरी 1931 के दिन भारत के पहले स्वतंत्रता दिवस की पहली वर्षगाँठ पुनरावृत्ति होनी थी। इस दिन के लिए कलकत्ता में बहुत तैयारियाँ हुई व कलकत्ता के माथे पर स्वतंत्रता में कोई योगदान न देने का जो कलंक था वह भी धुल गया। कड़ी पुलिस सुरक्षा के बावजूद पहले से ही सार्वजनिक कर कानून भंग किया गया। पहले कभी इतने लोग कानून भंग करने इकट्ठे न हुए थे। पुलिस की लाठियाँ खाकर भी लोग अडिग खड़े रहे और स्त्रियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया व 105 स्त्रियाँ गिरफ्तार हुई। यह दिन बहुत विशेष था।

(ख) बड़े भाई साहब के नरम पड़ते ही छोटे भाई की स्वच्छंदता बढ़ गई। वह बड़े भाई के डर से जितना पढ़ लिया करता था वो भी बंद कर दिया तथा खेल-कूद में ही सारा समय बिताने लगा।

मेरे विचार से छोटे भाई का व्यवहार उचित नहीं था। ज़रूरी नहीं कि पढ़ने के लिए जब तक कोई न डाँटे, तब तक आप पढ़े ही नहीं। अनुशासनहीनता बिल्कुल सही नहीं। खेल-कूद करना चाहिए परंतु पढ़ाई के साथ

(ग) कर्नल कालिंज का खेमा जंगल में वज़ीर अली को गिरफ़्तार करने के लिए लगा हुआ था क्योंकि उसने कंपनी के वकील का कत्ल किया था और अब नेपाल भागकर अंग्रेज़ों के विरुद्ध सेना एकत्र करना चाहता था। कर्नल ने कई सालों से खेमा लगा रखा लगाया हुआ था परंतु वज़ीर अली उन्हें चकमा दे जाता और कभी उनके हाथ नहीं लगा।

8. लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर लिखिए— **5**

'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' से क्या अभिप्राय है? गाँधीजी 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' थे, कैसे?

अथवा

प्रकृति के साथ मानव के दुर्व्यवहार और उसके परिणामों को 'अब कहाँ दूसरों के दु:ख से दु:खी होने वाले' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— मानव की इच्छाएँ व लालसा दिन बढ़ती जा रही हैं जिनकी पूर्ति हेतु वह प्रकृति का अनुचित दोहन कर रहा है। समंदर को पीछे सरका कर, उसकी ज़मीन पर बस्तियाँ बना रहा है, पेड़ों को काटता जा रहा है जिसके कारण कई परिंदे व जानवर अपना घर खो बैठे हैं, बारूदों की विनाशलीलाओं से वातावरण प्रदूषित हो चुका है। प्रकृति के साथ की जा रही अनावश्यक छेड़खानी का परिणाम है:- बेवक्त बारिश, सूखा, तूफान, सैलाब, ज़लज़ले एवं नित नए रोग। कहीं सूखा पड़ा है तो कहीं सैलाब है, तो कहीं कोरोना वायरस जैसी लाइलाज बीमारी का आतंक है। यह सब प्रकृति से

To know about more useful books *click here*

छेड़छाड़ के दुष्परिणाम हैं। प्रकृति भी एक हद तक दोहन सहती है और जब उसे गुस्सा आता है तो मंज़र कुछ उन तीन जहाज़ों की तरह होता है जिन्हें समुद्र ने उठाकर बच्चों की गेंद की तरह फेंक दिया था।

इसलिए मनुष्य को ~~केवल~~ प्रकृति की शक्ति पहचान, उसके साथ लगातार किए जा रहे ~~दु~~ दुर्व्यवहार को तुरंत रोकने की आवश्यकता है।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए— **2 × 3 = 6**

(क) 'आत्मत्राण' कविता में कवि विपदा में ईश्वर से क्या चाहता है और क्यों?

(ख) 'है टूट पड़ा भू पर अम्बर!' 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

(ग) कबीर निंदक को अपने निकट रखने का परामर्श क्यों देते हैं?

(घ) 'द्रोपदी की लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।' इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— (क) 'आत्मत्राण' कविता में कवि विपदा में ईश्वर से कोई सहायता की कामना नहीं करता। वह चाहता है कि ईश्वर उसे शक्ति प्रदान करें कि वह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी व्याकुल व विचलित न हो और अपने पौरुष एवं आत्मबल के आधार पर उसका ~~सम~~ सामना करे।

वह ऐसा इसलिए चाहता है क्योंकि वह अपनी कठिनाइयों से खुद जूझना चाहता है ताकि उसका व्यक्तित्व और निखरे। वह ~~विपदाओं~~ चाहता है कि विपदाओं के समय भी उसकी ईश्वर में आस्था बनी रहे और ईश्वर पर कभी संदेह न हो।

(ग) कबीर निंदक को अपने निकट रखने का परामर्श इसलिए देते है क्योंकि निंदक हमारे स्वभाव को निर्मल बनाने में सहायक होता है। निंदक सदा हमें हमारी बुराइयों व कमियों से अवगत कराता है। ऐसा करना से वह हमें उन कमियों को सुधारने का अवसर देता है क्योंकि अक्सर हम अपनी कमियाँ पहचान नहीं पाते और जानते भी हैं तो परिश्रम नहीं करना चाहते। निंदक हमें इन्हीं गलतियों व कमियों को सुधारने के लिए बार-बार उकसाता रहता है।

(घ) प्रस्तुत पंक्तियों में मीरा श्रीकृष्ण ~~से कहत~~ को द्रौपदी का उदाहरण देकर उनकी भी मदद करने को कहती हैं क्योंकि वे जानती हैं कि कृष्ण भक्त वत्सल हैं। वे कहती हैं कि जिस प्रकार चीर हरण के समय श्रीकृष्ण ने द्रौपदी का चीर बढ़ाकर उसके सम्मान की रक्षा करी एवं उसकी सहायता की उसी प्रकार वे मीरा को भी आवागमन के चक्र से मुक्त कर उनकी सहायता करें।

10. लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर दीजिए— **5**

विरासत में मिली चीज़ों की बड़ी सँभाल क्यों होती है? 'तोप' कविता के आधार पर स्पष्ट करते हुए तोप की विशेषताएँ भी लिखिए।

अथवा

'मनुष्यता' कविता का मूल भाव अपने शब्दों में समझाइए।

उत्तर— 'मनुष्यता' कविता हमें परोपकारी व उदार बनने की सीख देती है। मनुष्य को अन्य प्राणियों से प्रबल चेतना शक्ति मिला है इसलिए वह दूसरा का भला करने में भी समर्थ है। स्वार्थ के लिए तो पशु भी जीते हैं परंतु ~~जो~~ मनुष्य जीवन की सार्थकता तभी है जब वह परहित के लिए काम करे। ऐसे उदार मनुष्यों को मृत्यु के बाद भी याद किया जाता है। कवि दधीचि, कर्ण एवं रंतिदेव का उदाहरण देकर हमें भी

To know about more useful books *click here*

बलिदानी बनने की प्रेरणा देता है। हमें कभी भी पैसों के अहंकार में नहीं रहना चाहिए क्योंकि यह एक तुच्छ वस्तु है। कीमती तो ईश्वर का आशीर्वाद है जो सभी मनुष्यों को बराबर मिलता है क्योंकि ईश्वर ने हम सभी को बराबर बनाया है। हम सभी उसकी संतान हैं, एक-दूसरे के भाई-बहन हैं इसलिए हमें सदा एक दूसरे की प्रति संवेदनशील होना चाहिए, एक-दूसरे का भला करना चाहिए तथा मिलजुलकर रहना चाहिए। अपनी उन्नति के लिए नहीं, बल्कि जो दूसरों की उन्नति के लिए संघर्षरत रहता है वही आदर्श मानव कहलाता है।

11. लगभग 60-70 शब्दों में उत्तर लिखिए— **3 × 2 = 6**

(क) टोपी ने इफ़्फ़न की दादी से अपनी दादी बदलने की बात क्यों कही होगी? इससे बाल मन की किस विशेषता का पता चलता है?

(ख) लेखक को स्कूल जाने के नाम से उदासी क्यों आती थी? 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। आपको स्कूल जाना कैसा लगता है और क्यों?

उत्तर—

(क) टोपी को अपनी दादी से नफ़रत थी, वे सदा टोपी को डाँटती रहती तथा कभी उससे स्नेहपूर्वक बात न करतीं जबकि इफ़्फ़न की दादी उससे प्रेम एवं स्नेह करती थीं। उनकी बोली भी टोपी को अच्छी लगती थी क्योंकि वह उसकी माँ की बोली जैसी थी। जो अपनापन टोपी को घर में न मिलता, वह उसे इफ़्फ़न की दादी के साथ मिलता था। इसलिए उसने दादी बदलने की बात कही।
इससे यह पता चलता है कि बालमन प्रेम के सिवा और कुछ नहीं समझता। धर्म, जाति व उम्र प्रेम के रिश्ते में बाधक नहीं होते। बालमन सरल एवं निष्कपट होता है जो बिना स्वार्थ के, जहाँ प्रेम मिलता है वहाँ चला जाता है।

(ख) लेखक व उसके साथ के सभी बच्चे रोते-पिटते स्कूल जाते थे। उन्हें स्कूल एक कैद की भाँति प्रतीत होता था। मास्टरों की पिटाई के डर से उन्हें स्कूल जाना अच्छा नहीं लगता था। न ही उनकी पढ़ाई में कोई ज़्यादा दिलचस्पी थी। छोटी सी गलती हो जाने पर भी चमड़ी उधेड़ने की उनके स्कूल की परंपरा के कारण लेखक को स्कूल के नाम से उदासी आती, साथ ही मुश्किल पढ़ाई का भी डर बना रहता।
मुझे स्कूल जाना अच्छा लगता है। इसका कारण है मेरे मित्र और कुछ अध्यापक जो या तो अच्छा पढ़ाते हैं अथवा उनका स्वभाव अच्छा है। स्कूल जाने का एक बड़ा कारण खेल का पीरियड भी है। पढ़ाई में मेरी इतनी रुचि नहीं जितना दोस्तों के साथ खेलने व अध्यापकों से चर्चा करने में है।

खण्ड–'घ'

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए— **6**

(क) सत्संगति

- सत्संगति का अर्थ
- सत्संगति का महत्त्व
- कुसंगति से हानि

To know about more useful books *click here*

(ख) हमारी मेट्रो

- भारत की प्रगति का नमूना
- लोकप्रियता के कारण
- मेट्रो का विस्तार

(ग) अनुशासन क्यों ?

- अर्थ
- आवश्यकता
- प्रभाव

उत्तर—

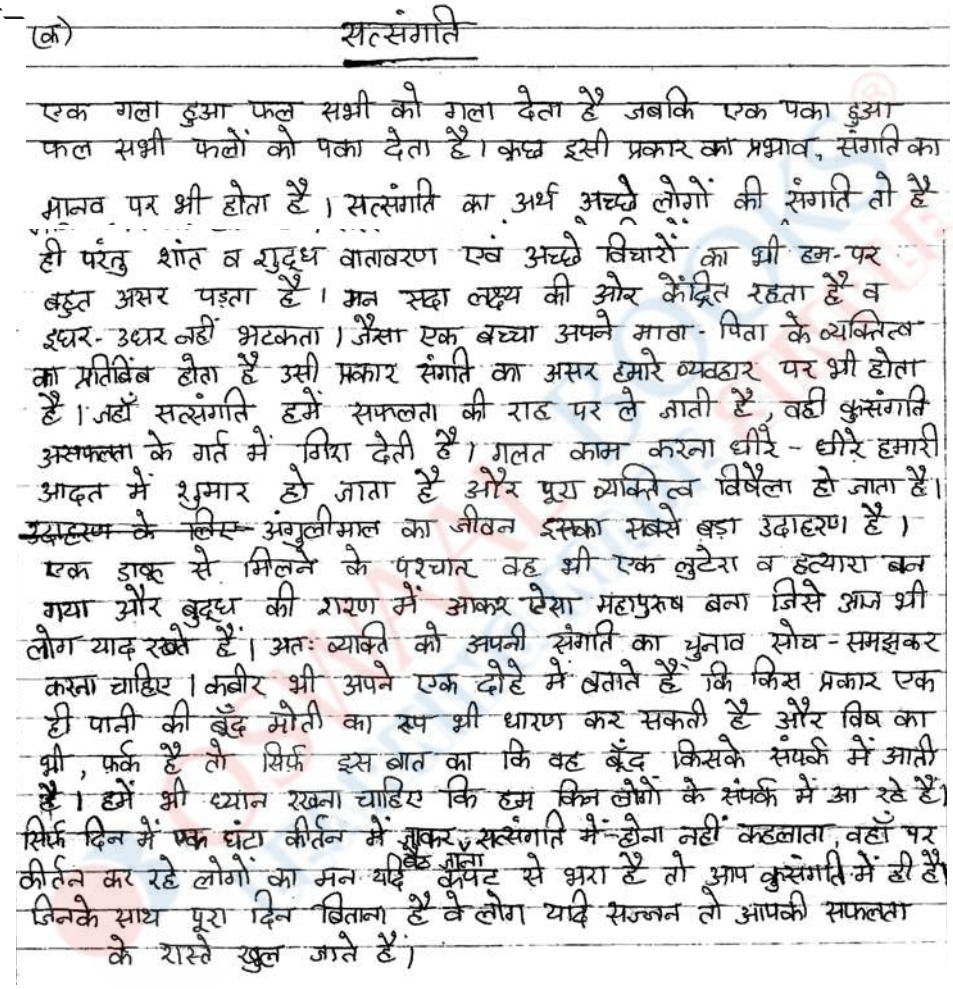

(क) सत्संगति

एक गला हुआ फल सभी को गला देता है जबकि एक पका हुआ फल सभी फलों को पका देता है। कुछ इसी प्रकार का प्रभाव, संगति का मानव पर भी होता है। सत्संगति का अर्थ अच्छे लोगों की संगति तो है ही परंतु शांत व शुद्ध वातावरण एवं अच्छे विचारों का भी हम-पर बहुत असर पड़ता है। मन सदा लक्ष्य की ओर केंद्रित रहता है व इधर-उधर नहीं भटकता। जैसा एक बच्चा अपने माता-पिता के व्यक्तित्व का प्रतिबिंब होता है उसी प्रकार संगति का असर हमारे व्यवहार पर भी होता है। जहाँ सत्संगति हमें सफलता की राह पर ले जाती है, वहीं कुसंगति असफलता के गर्त में गिरा देती है। गलत काम करना धीरे-धीरे हमारी आदत में शुमार हो जाता है और पूरा व्यक्तित्व विषैला हो जाता है। ~~उदाहरण के लिए~~ अंगुलीमाल का जीवन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। एक डाकू से मिलने के पश्चात वह भी एक लुटेरा व हत्यारा बन गया और बुद्ध की शरण में आकर ऐसा महापुरुष बना जिसे आज भी लोग याद रखते हैं। अतः व्यक्ति को अपनी संगति का चुनाव सोच-समझकर करना चाहिए। कबीर भी अपने एक दोहे में बताते हैं कि किस प्रकार एक ही पानी की बूँद मोती का रूप भी धारण कर सकती है और विष का भी, फ़र्क है तो सिर्फ इस बात का कि वह बूँद किसके संपर्क में आती है। हमें भी ध्यान रखना चाहिए कि हम किन लोगों के संपर्क में आ रहे हैं। सिर्फ दिन में एक घंटा कीर्तन में जाकर, सत्संगति में होना नहीं कहलाता, वहाँ पर कीर्तन कर रहे लोगों का मन यदि कपट से भरा है तो आप कुसंगति में ही हैं। जिनके साथ पूरा दिन बिताना है वे लोग यदि सज्जन तो आपकी सफलता के रास्ते खुल जाते हैं।

13. आप विद्यालय की छात्र-परिषद् के सचिव हैं। स्कूल के बाद विद्यार्थियों को नाटक का अभ्यास करवाने के लिए अनुमति माँगते हुए प्रधानाचार्य को लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए।

अथवा

अस्पताल कर्मचारियों के सद्व्यवहार की प्रशंसा करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए— **5**

उत्तर—

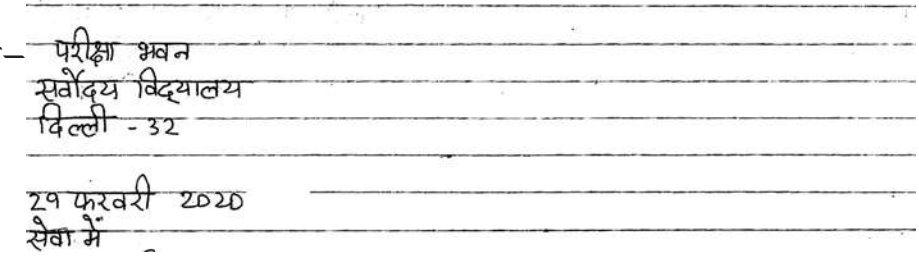

परीक्षा भवन
सर्वोदय विद्यालय
दिल्ली - 32

29 फरवरी 2020
सेवा में

To know about more useful books *click here*

प्रधानाचार्य
सर्वोदय विद्यालय
दिल्ली.-32

विषय- स्कूल के बाद विद्यार्थियों को नाटक का अभ्यास करवाने के लिए अनुमति माँगने हेतु

महोदय
मैं किशोर छात्र-परिषद् का सचिव हूँ। 09 मार्च को होने जा रहे होली के अवसर पर होने जा रहे नाटक की तैयारी ज़ोर-शोर से चल नहीं हो पा रही क्योंकि ₹ जब कक्षाएँ चल रही होती हैं तो हम अभ्यास नहीं कर पाते।

आपसे सविनय अनुरोध है कि 7 मार्च को हमें स्कूल के बाद नाटक का अभ्यास करने की अनुमति प्रदान करें ताकि हम मुख्य अतिथि के सामने अच्छा प्रदर्शन कर अपने स्कूल का नाम रौशन करें। हम स्कूल के पश्चात् 3:30 बजे तक अभ्यास करने की अनुमति चाहते हैं।
आपसे निवेदन है कि कृपया हमें यह अनुमति प्रदान करें।

आपका आज्ञाकारी
किशोर कुमार
सचिव
छात्र-परिषद्

14. आप अपनी कॉलोनी की कल्याण परिषद् के अध्यक्ष हैं। अपने क्षेत्र के पार्कों की साफ-सफाई के प्रति जागरुकता लाने हेतु कॉलोनी वासियों के लिए 40-50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए।

अथवा

विद्यालय की सचिव की ओर से 'समय-प्रबन्धन' विषय पर आयोजित होने वाली कार्यशाला के लिए 40-50 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए।

उत्तर—

सी.सी कॉलोनी कल्याण परिषद्
सूचना

27 फरवरी 2020

पार्कों की साफ़-सफ़ाई

सभी कॉलोनी वासियों से अनुरोध कि हमारे क्षेत्र के सभी पार्कों में साफ़-सफ़ाई बनाए रखें। अपने घर का कूड़ा एवं खाद्य पदार्थों के पैकेट पार्कों में न फेंके। यदि गंदगी बढ़ेगी तो उससे पैदा होने वाली मक्खियाँ व तिलचट्टे हमें और हमारे बच्चों को ही बीमार करेंगे। अपने क्षेत्र में साफ़-सफ़ाई रखना हम सभी का कर्तव्य है। यदि आपको कहीं कूड़े का ढेर दिखता है तो तुरंत निम्नलिखित को सूचित करें और स्वच्छता बनाए रखने में योगदान दें।

किशोर
किशोर कुमार
सचिव, सी.सी कॉलोनी कल्याण परिषद्

To know about more useful books *click here*

15. 'फ़ास्ट-फूड' के बढ़ते प्रचलन के बारे में बड़े और छोटे भाई के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए— 5

अथवा

बोर्ड-परीक्षाओं की तैयारी के सम्बन्ध में दो मित्रों के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए।

उत्तर—

किशोर - अरे मित्र अशोक! खेलने नहीं आ रहे क्या? देख 7 बज गए हैं। जल्दी आ।

अशोक - तू मूर्ख है क्या, कल बोर्ड की परीक्षा है और तुझे खेलने की सूझी है।

किशोर - पर तूने तो कहा था कि तेरी तैयारी पूरी हो गई।

अशोक - पर तब भी, मेरा खेलने का मन नहीं है। मुझे अब परेशान मत कर

किशोर - देख अशोक, मन-वन की कोई बात नहीं। क्यों बेमतलब उतावला हो रहा। जब तैयारी हो गई तो टेंशन मत ले।

अशोक - कोई टेंशन होनी चाहिए किशोर, बोर्ड की परीक्षाओं में तो अंक आएँगे, वही आगे जीवन निर्धारित करते हैं।

किशोर - टेंशन लेने से तो कोई अच्छे अंक नहीं आता। पढ़ना ज़रूरी है पर साथ में खेल-कूद भी। इससे तेरी सारी टेंशन, तनाव झट से दूर हो जाएगा।

अशोक - कहते तो तुम ठीक हो, पर अगर अच्छे अंक नहीं आए तो?

किशोर (कुछ देर सोचकर) - तो मैं तुझे समोसा खिलाऊँगा।

अशोक - तू मूर्ख का मूर्ख ही रहेगा, चल आता हूँ मैं नीचे।

किशोर - अब मैं इतना भी खास नहीं।

16. कोई कम्पनी 'लेखनी' नाम का नया पेन बाजार में लाना चाहती है। उसके लिए लगभग 25-25 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

अथवा

ए.टी.एम. केन्द्रों पर सावधानी बरतने सम्बन्धी निर्देश देते हुए पंजाब नेशनल बैंक की ओर से लगभग 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर—

ईशा लिमिटेड

लेखनी पेन

चले मक्खन सा मुलायम

→ लिखे दस हजार मीटर तक

→ आकर्षक मैटालिक रंगों में उपलब्ध

→ कभी न टूटने वाली निब

→ काले, नीले एवं हरी स्याही में उपलब्ध

एक लेखनी पेन के साथ ईशा इरेज़र मुफ़्त

तो आज ही अपनी नज़दीकी स्टेशनरी दुकान से खरीदिए

ज्यादा जानकारी के लिए - www.ishalimitedproducts.com

❑❑

To know about more useful books *click here*